रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 6 जून, 2026

वर्ष 02 | अंक 137 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

बिहार विधान परिषद चुनाव: एनडीए में सीटों का फॉर्मूला तय

पटना। बिहार की राजनीति में आगामी विधान परिषद चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर लंबे समय से चल रही चर्चाओं पर अब लगभग विराम लग गया है। विधान परिषद की नौ सीटों पर होने वाले चुनाव और एक रिक्त सीट पर उपचुनाव के लिए भाजपा और जदयू के शीर्ष नेतृत्व के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति बन गई है।

इस समझौते के बाद गठबंधन के भीतर चुनावी रणनीति और उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया भी तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, चुनाव वाली आठ सीटों के लिए भाजपा और जदयू के बीच सीटों का फॉर्मूला तय कर लिया गया है। इसके तहत पांच सीटें भाजपा के हिस्से में जाएंगी, जबकि तीन सीटों पर जदयू अपने उम्मीदवार उतारेगी। इसके अलावा उपचुनाव वाली एक महत्वपूर्ण सीट भी जदयू को मिलने जा रही है, जिससे मुख्यमंत्री Nitish Kumar की पार्टी की राजनीतिक स्थिति और मजबूत मानी जा रही है।

यह उपचुनाव उस सीट पर होगा जो नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य बनने के बाद रिक्त हुई थी। इस सीट का कार्यकाल वर्ष 2030 तक शेष है,

इसलिए इसे राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जदयू को यह सीट मिलने से पार्टी को केवल प्रतिनिधित्व ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक राजनीतिक लाभ भी मिलने की संभावना है। यही कारण है कि सीटों की संख्या कम होने के बावजूद जदयू नेतृत्व इस फार्मूले से संतुष्ट बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, शुरुआती दौर में जदयू ने चार सीटों की मांग रखी थी। हालांकि कई दौर की बातचीत और राजनीतिक समीकरणों पर विचार के बाद पार्टी तीन सीटों पर सहमत हो गई। बदले में उपचुनाव वाली सीट मिलने से उसकी कुल हिस्सेदारी संतुलित हो गई है। इससे गठबंधन के भीतर किसी बड़े मतभेद की संभावना भी समाप्त हो गई है।

दूसरी ओर भाजपा ने भी अपने सहयोगी दलों को संतुष्ट रखने की रणनीति तैयार की है। एनडीए में पहले से यह समझ बनी हुई थी कि छोटे सहयोगी दलों को प्रतिनिधित्व भाजपा अपने हिस्से से देगी। इसी के तहत भाजपा अपनी पांच सीटों में से एक-एक सीट सहयोगी दलों को देने पर विचार कर रही है। माना जा रहा है कि Lok Janshakti Party (Ram Vilas) और Rashtriya Lok Morcha को इसका लाभ मिल सकता है। लोजपा (रामविलास) ने विधान परिषद की एक सीट पर मजबूत दावा पेश किया है।

पार्टी के पास विधानसभा में पर्याप्त संख्या बल है और उसके 19 विधायक हैं। ऐसे में पार्टी का मानना है कि उसे गठबंधन में सम्मानजनक हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। एनडीए नेतृत्व भी इस दावे को गंभीरता से ले रहा है और माना जा रहा है कि लोजपा (रामविलास) को परिषद में प्रतिनिधित्व देने पर सहमति बन सकती है। वहीं, राष्ट्रीय लोक मोर्चा की दावेदारी भी मजबूत मानी जा रही है। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा नेतृत्व की ओर से पार्टी को विधान परिषद की एक सीट देने का आश्वासन दिया गया था।

प्रकृति से सीखें, भविष्य संवारें: केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री Bhupender Yadav ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देशवासियों से जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रकृति से प्रेरणा लेते रहने का संकल्प दोहराने का आग्रह किया।

भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रकृति केवल संसाधनों का स्रोत नहीं, बल्कि मानव जीवन और विकास की आधारशिला है। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा सतत विकास की दिशा में सक्रिय योगदान देने की अपील की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण और प्रदूषण जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

उन्होंने देशवासियों से जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी और हरित जीवनशैली अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव का आधार बन सकते हैं। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से प्रकृति संरक्षण अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत पर्यावरण संरक्षण और जलवायु कार्रवाई के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनभागीदारी और प्रकृति के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण के माध्यम से देश एक स्वच्छ, हरित और टिकाऊ भविष्य की दिशा में आगे बढ़ेगा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मंत्री ने नागरिकों से यह संकल्प लेने का आग्रह किया कि वे प्रकृति के साथ संतुलित जीवनशैली अपनाएंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी निभाएंगे।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की बड़ी बैठक: "हर प्रवास में रात्रि विश्राम करें पदाधिकारी, बूथ तक पहुंचाएं संगठन"

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने के उद्देश्य से पार्टी पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रवास केवल औपचारिक दौरा न रहे, बल्कि कार्यकर्ता और बूथ स्तर तक संवाद का माध्यम बने। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी अपने प्रवास के दौरान रात्रि विश्राम अवश्य करें और स्थानीय कार्यकर्ताओं के बीच समय बिताएं। बैठक में संगठन विस्तार, आगामी चुनावी तैयारियों और बूथ स्तर तक भाजपा की पहुंच को और मजबूत बनाने पर विशेष चर्चा हुई। नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ नेटवर्क और समर्पित कार्यकर्ता हैं। इसलिए प्रत्येक पदाधिकारी को बूथ समितियों, शक्ति केंद्रों और मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ नियमित संपर्क बनाए रखना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि संगठन का

प्रत्येक कार्यक्रम गांव, वार्ड और बूथ तक पहुंचे। केंद्र और राज्यसरकारों की उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाने के लिए जनसंपर्क अभियान तेज करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही युवाओं, महिलाओं और नए मतदाताओं को संगठन से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। भाजपा अध्यक्ष ने पदाधिकारियों से कहा कि प्रवास के दौरान केवल बैठकें करने के बजाय स्थानीय समाज, प्रबुद्ध वर्ग और कार्यकर्ताओं के साथ प्रत्यक्ष संवाद बढ़ाया जाए। उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों की नियमित समीक्षा और बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने की आवश्यकता बताई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा का यह अभियान आगामी चुनावों को देखते हुए संगठन को और अधिक सक्रिय तथा चुनावी मोड में लाने की रणनीति का हिस्सा है। पार्टी नेतृत्व का फोकस बूथ सशक्तिकरण, युवा संपर्क और जनाधार विस्तार पर दिखाई दे रहा है।

बांसगढ़ बना क्रिकेट का सरताज: रोमांचक फाइनल में बनियानी को हराकर जीता 51 हजार का खिताब

ग्रामीण प्रतिभाओं का दमदार प्रदर्शन, युवाओं के जोश और जश्न से गूंजा बांसगढ़ करैरा। ग्रामीण अंचल में क्रिकेट प्रतिभाओं को मंच देने वाले प्रतिष्ठित 'श्री मंशा पूर्ण बांसगढ़ सरकार क्रिकेट टूर्नामेंट' का रोमांचक फाइनल मुकाबला रविवार को खेला गया, जिसमें मेजबान बांसगढ़ टीम ने बनियानी को हराकर शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। विजेता टीम को 51,000 नकद एवं ट्रॉफी, जबकि उपविजेता बनियानी टीम को 31,000 नकद एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। फाइनल मुकाबला शुरू होते ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बनियानी टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 138 रन बनाए और बांसगढ़ के सामने जीत के लिए 139 रनों का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांसगढ़ टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मात्र 16वें ओवर में ही 139 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के दौरान चौकों-छक्कों की बरसात और खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने

दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।

इन खिलाड़ियों ने दिलाई जीत- बांसगढ़ की जीत में आदाराम ने 42 रनों की शानदार पारी, राघवेंद्र हिनोतिया ने 41 रन तथा सत्येंद्र रावत ने 20 रन बनाने के साथ 4 महत्वपूर्ण विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आदाराम को "मैन ऑफ द मैच" तथा पूरे टूर्नामेंट में 130 रन और 15 विकेट के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन पर सत्येंद्र रावत को "मैन ऑफ द सीरीज" चुना गया।

बंटी भैया के मुख्य आतिथ्य में हुआ समापन-टूर्नामेंट के उद्घाटन एवं समापन समारोह के मुख्य अतिथि ब्रजेंद्र रावत "बंटी भैया" रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित मंच और अवसर देने की है। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष रामेश्वर रावत, विक्रम रावत (बनियानी), सरपंच मुरारी लाल, सचिव हरिकिशन रावत सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जीत के बाद जमकर मना जश्न-खिताब जीतने के बाद बांसगढ़ टीम के खिलाड़ियों और समर्थकों ने मैदान पर ही डांस कर खुशी का इजहार किया। पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

ग्रामीण क्रिकेट को मिल रही नई उड़ान- विशेषज्ञों का मानना है कि जब से ग्वालियर-चंबल अंचल के युवराज आर्यमन सिंधिया बीसीसीआई में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, तब से ग्रामीण क्षेत्रों में क्रिकेट के प्रति युवाओं का उत्साह और बढ़ा है। ऐसे आयोजनों से गांवों की छिपी हुई प्रतिभाएं सामने आ रही हैं और युवा खिलाड़ी बड़े मंच तक पहुंचने का सपना साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ग्रामीण अंचल का यह टूर्नामेंट केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि उभरती प्रतिभाओं के लिए सुनहरा मंच बनकर सामने आया है, जहां से भविष्य के कई सितारे निकल सकते हैं।

भोपाल में पानी को लेकर बने इंदौर जैसे हालात जनता मजबूर है दूषित पानी पीने के लिए अधिकारियों के मोबाइल स्विच ऑफ

भोपाल शाहपुरा क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से पानी की सप्लाई ठप है और अधिकारियों का कहना है कि हम कोई जावेदारी नहीं ले सकते पानी कब तक आएगा पिछले तीन दिनों से गरीब जनता इधर-उधर पानी के लिए दर-दर भटक रही है पिछले दो दिनों से पत्रकार राजेंद्र राजपूत के द्वारा हाइट और पर निरीक्षण किया गया था टोटल सप्लाई क्षेत्रीय विधायक पार्षद एवं उनके अधिकारियों के यहां ही सप्लाई की गई है गरीब जनता के यहां पर कोई भी सप्लाई पानी की नहीं की गई है एवं आज भी यहां पर पानी का कोई भी आता पता नहीं है जनता मजबूर है दूषित पानी पीने के लिए एवं आज यहां अगर इंदौर जैसे हालात होते हैं तो इसकी राजधानी किसकी होगी प्रशासन की नगर निगम की या फिर विधायकों की।

भारतीय संस्कृति का पर्यावरण दर्शन: प्रकृति के साथ सहअस्तित्व की हजारों वर्षों पुरानी परंपरा

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण, जैव विविधता के क्षरण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे समय में जब पर्यावरण संरक्षण वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है, भारत की प्राचीन संस्कृति और जीवन-दर्शन मानवता को प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने का एक महत्वपूर्ण मार्ग दिखाते हैं।

भारत में पर्यावरण संरक्षण कोई आधुनिक अवधारणा नहीं है, बल्कि यह हमारी सभ्यता, संस्कृति, धार्मिक मान्यताओं और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा रहा है। हजारों वर्षों से भारतीय समाज ने प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता और पूजनीय शक्ति के रूप में स्वीकार किया है। भारतीय संस्कृति में पृथ्वी को माता का दर्जा दिया गया है। हमारे शास्त्रों में पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश को पंचमहाभूत कहा गया है, जिनसे समस्त सृष्टि का निर्माण माना जाता है। यही कारण है कि प्रकृति के प्रत्येक स्वरूप के प्रति सम्मान और संरक्षण की भावना भारतीय जीवनशैली में गहराई से समाहित है। यहां नदियों को मां कहा जाता है, पर्वतों को देवस्वरूप माना जाता है और वृक्षों की पूजा की जाती है। यह दृष्टिकोण केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की एक प्रभावी सामाजिक व्यवस्था भी है।

भारत में अनेक वृक्षों को विशेष धार्मिक महत्व प्राप्त है। पीपल, बरगद, नीम, तुलसी, केला और आंवला जैसे पौधों को पूजनीय माना जाता है। इन वृक्षों के संरक्षण के पीछे केवल धार्मिक भावना ही नहीं, बल्कि उनका पर्यावरणीय महत्व भी निहित है। पीपल और बरगद जैसे वृक्ष बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जबकि नीम अपने औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध है। तुलसी को भारतीय घरों में विशेष स्थान दिया जाता है और यह वायु को शुद्ध करने में भी सहायक मानी जाती है। इस प्रकार धार्मिक मान्यताओं के माध्यम से प्रकृति संरक्षण को समाज का स्वाभाविक व्यवहार बना दिया गया। इसी प्रकार भारतीय परंपरा में पशु-पक्षियों को भी विशेष सम्मान प्राप्त है। अधिकांश देवी-देवताओं के साथ किसी न किसी पशु या पक्षी का संबंध दर्शाया गया है। भगवान शिव के साथ नंदी बैल, भगवान विष्णु के साथ गरुड़, मां दुर्गा के साथ सिंह, भगवान गणेश के साथ मूषक तथा मां सरस्वती के साथ हंस का संबंध स्थापित किया गया है। इन प्रतीकों के माध्यम से मानव और प्रकृति के बीच गहरे संबंध को व्यक्त किया गया है। इससे समाज में वन्यजीवों के प्रति सम्मान और संरक्षण की भावना विकसित हुई।

वेद, उपनिषद और अन्य प्राचीन ग्रंथों में प्रकृति के प्रति गहरा सम्मान दिखाई देता है। वेदों में सूर्य, वायु, जल और पृथ्वी की स्तुति करते हुए अनेक मंत्र मिलते हैं। उगते हुए सूर्य की लालिमा, वर्षा की महिमा, नदियों की पवित्रता और वनस्पतियों की उपयोगिता का अत्यंत सुंदर वर्णन किया गया है। वेदों में प्रकृति को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार और आध्यात्मिक उन्नति का साधन माना गया है। यही कारण है कि भारतीय चिंतन में प्रकृति और मानव को एक-दूसरे का पूरक माना गया है।आधुनिक पर्यावरण विज्ञान जिन सिद्धांतों को आज वैज्ञानिक आधार पर समझता है, उनके मूल तत्व प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में पहले से विद्यमान थे। पर्यावरण विज्ञान जीवित और निर्जीव घटकों के बीच संबंधों का अध्ययन करता है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के अनुसार जल, वायु, भूमि तथा इनके साथ मनुष्य, पशु-पक्षियों, वनस्पतियों और सूक्ष्मजीवों के संबंध पर्यावरण का हिस्सा हैं। भारतीय दर्शन भी इसी समग्र दृष्टिकोण को स्वीकार करता है, जिसमें सृष्टि के सभी तत्व एक-दूसरे से जुड़े हुए माने जाते हैं।

प्राचीन भारत में शासन व्यवस्था भी पर्यावरण संरक्षण को महत्व देती थी। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में जंगलों की रक्षा और नए वनों के विकास की जिम्मेदारी राज्य की बताई गई है। जंगलों को केवल लकड़ी या संसाधनों का स्रोत नहीं माना गया, बल्कि उन्हें आर्थिक और सामाजिक समृद्धि का आधार समझा गया। मौर्य सम्राट अशोक ने वन्यजीव संरक्षण के लिए अनेक कदम उठाए थे। उन्होंने कुछ पशुओं के शिकार पर प्रतिबंध लगाया और पर्यावरण संरक्षण को शासन की प्राथमिकताओं में शामिल किया। यह दर्शाता है कि भारत में पर्यावरण संरक्षण केवल सामाजिक या धार्मिक विषय नहीं था, बल्कि प्रशासनिक नीति का भी महत्वपूर्ण हिस्सा था। भारतीय संस्कृति में शांति मंत्रों का विशेष महत्व है। इन मंत्रों में केवल मनुष्य के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी सृष्टि के लिए शांति और कल्याण की कामना की जाती है। "ॐ द्यौः शान्तिः, अन्तरिक्षं शान्तिः, पृथ्वी शान्तिः" जैसे मंत्र यह संदेश देते हैं कि आकाश, पृथ्वी, जल, वनस्पतियां, वृक्ष और संपूर्ण ब्रह्मांड संतुलित और शांत रहें। यह विचार पर्यावरणीय संतुलन की सबसे व्यापक अवधारणा प्रस्तुत करता है। इन मंत्रों में प्रकृति के प्रत्येक तत्व के बीच सामंजस्य और सहअस्तित्व की भावना दिखाई देती है।

रणजीत टाइम्स

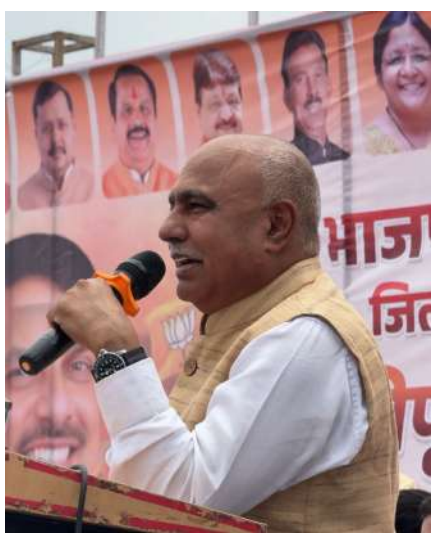

भारतीय जनता पार्टी इंदौर ग्रामीण के नवीन कार्यालय का भूमि पूजन प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल ने किया

इंदौर भाजपा और कॉंग्रेस जैसे अन्य दलों में यही अन्तर है की यह पार्टियां किसी कार्यालय से नहीं बल्कि नेताओं के घरों से चलती हे लेकिन हमारी विचारधारा अलग हे हमारे दल का संचालन कार्यालय से होता हे किसी नेता के घर से नहीं इसलिए प्रदेश के जिन जिलों में भाजपा के कार्यालय नहीं हे वहां पर कार्यालय का निर्माण कर रहे हे

यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल ने भारतीय जनता पार्टी इंदौर ग्रामीण के नवीन कार्यालय के भूमिपूजन के अवसर पर संबोधित करते हुए कही..उन्होंने कहा की कार्यालय बनने के बाद सप्ताह में एक दिन हर विधायक कार्यालय में बैठेंगे

उन्होंने भूमिपूजन के साथ ही 6 अप्रैल 2027 को लोकार्पण की घोषणा भी मंच से कर दी....

प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने संबोधित करते हुए कहा की

कार्यालय तभी फलीभूत होता हे जब एक एक कार्यकर्ता का उसमे श्रम और धन लगता हे प्रत्येक कार्यकर्ता से एक एक रुपया लेकर कार्यालय बनना चाहिए.. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव वर्चुअली जुड़े उन्होंने भाजपा ग्रामीण को नवीन कार्यालय की बधाई दी और कहा कि कार्यकर्ता के लिए नवीन कार्यालय अपने नए घर बनने जैसा होता हे साथ ही कार्यालय हमारी गतिविधि को संचालित करने का केंद्र होते है। स्वागत भाषण देते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावडा ने बताया की राउ विधानसभा के नवदापंथ में 80×200 की 16000 स्क्वेयर फिट की जगह में बन कर यह भवन तैयार होगा। इस अवसर पर प्रदेश के केबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट,सांसद कविता पाटीदार, सांसद शंकर लालवानी, मंत्री नागर सिंह चौहान, सांसद अनीता चौहान, विधायक मनोज पटेल, उषा ठाकुर, मधु वर्मा, गोलू शुक्ला, पूर्व विधायक जीतू जिराती,अन्तर सिंह दरबार, नगर अध्यक्ष सुमित् मिश्रा, जयपाल सिंह चावड़ा,संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, जिला प्रभारी शैलेन्द्र डागा,चिंटू वर्मा उपस्थित थे। प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल ने भूमि विक्रेता मनोहर पटेल और इंदर पटेल का सम्मान किया। कार्यक्रम की शुरुआत के पूर्व सुबह जोरदार बारिश होने से स्टेज और मंच की पुनः व्यवस्था आयोजकों को करना पडी।

महू की युवती को जाम गेट ले जाकर किया था दुष्कर्म महू पुलिस ने मालेगांव से किया गिरफ्तार

जितेन्द्र वर्मा

महू। शिकायतकर्ता युवती ने बताया कि वह मोहन टॉकीज के पास रहती है मूल निवासी अलीराजपुर जिला की है, और महू में चूड़ी की दुकान पर काम करती है। उसने बताया कि पत्ती बाजार निवासी फैजल अहमद उसे रोजाना कमेंट करता था और उसका पीछा करता था। उसने युवती पर बात करने का दबाव बनाया और धमकी दी कि अगर वह उससे बात नही करेगी तो उसको महू में काम नहीं करने देगा, युवती को नौकरी की जरूरत थी, जिसके डर से युवती ने उससे बात की शिकायत में आगे कहा गया है कि 25.05.2026 की रात करीब 8:30 बजे दुकान से घर लौटते समय फैजल अहमद ने उसे चम्पावाला बंगला के पास बुलाया और कार में बैठाकर जामगेट के पास जंगल में ले गया। वहां उसने जबरदस्ती गलत काम किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दुष्कर्म और जाति सूचक शब्दों से प्रताड़ित करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की, जिसके बाद आरोपी फरार हो गया था पुलिस ने आरोपी फैजल को टीम बनाकर मालेगांव से गिरफ्तार कर मेडिकल जांच के लिए शुक्रवार दोपहर शासकीय अस्पताल महू लाया गया। जहां आरोपी को न्यायालय में पेश कर उसे इंदौर की सेंट्रल जेल भेजा गया।

देपालपुर से दरबार सिंह ठाकुर

देपालपुर युवा जन जाग्रति मंच, द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्राम अहिरखेड़ी मे शमशान घाट पर पीपल व बेल पत्र का वृक्ष लगाया व सभी से वृक्ष लगाकर पर्यावरण बचाने का व वृक्ष को बड़ा करने का संकल्प लिया, इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष राजेश बड़वाया, परम् शिव भक्त केदार पंड्या ,ग्राम के वरिष्ठ राधेश्याम पटैल,संस्था संचालकगंण राजीव यादव , जीतेन्द्र बड़वाया ,मानसिग नकुम शुभम गुप्ता , दिनेश यादव,विनोद परमार, विनोद चौधरी , संजय यादव ,इन्दर पटैल, सहित संचालक गंण व ग्रामीणजन उपस्थित थे, अंत मे आभार कार्यक्रम संयोजक, संचालक व सरपंच प्रतिनिधि सुरेश नागर ने माना।

भारतीय क्रिकेटर व्यंकटेश अय्यर से रणजीत टाइम्स के सह-संपादक अनिल चौधरी की खास बातचीत

क्रिकेट जगत के लोकप्रिय ऑलराउंडर Venkatesh Iyer ने रणजीत टाइम्स के सह-संपादक अनिल चौधरी से विशेष बातचीत में अपने क्रिकेट करियर, भविष्य की योजनाओं और युवाओं के लिए प्रेरणादायक संदेश साझा किए। व्यंकटेश अय्यर ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही खिलाड़ी को ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। उन्होंने युवाओं को खेलों के साथ-साथ शिक्षा पर भी समान ध्यान देने की सलाह दी। इस अवसर पर सह-संपादक अनिल चौधरी ने उनसे आईपीएल, भारतीय टीम में अनुभव और आगामी चुनौतियों को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिनका अय्यर ने खुलकर जवाब दिया।

रणजीत टाइम्स
"सच के साथ, समाज के साथ"

सहजयोग की पहचान: साक्षी भाव और संयमित वाणी

जीभ और साक्षी भाव : सहज योगी के आंतरिक विकास का आधार

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने 2 अप्रैल 1976 को दिल्ली में दिए गए अपने अमूल्य संदेश में सहज योगियों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर प्रकाश डाला-साक्षी भाव और "जीभ पर नियंत्रण"। श्री माताजी ने कहा कि एक सहज योगी का जीवन साक्षी भाव की शक्ति से संचालित होना चाहिए। साक्षी भाव वह अवस्था है जहाँ व्यक्ति घटनाओं, विचारों और परिस्थितियों को बिना प्रतिक्रिया और बिना आसक्ति के केवल देखता है। यह शक्ति मौन में निवास करती है। मौन का अर्थ केवल शब्दों का अभाव नहीं, बल्कि मन की स्थिरता और आत्मा की जागरूकता है। आज के युग में मनुष्य का अधिकांश समय बोलने, प्रतिक्रिया देने और अपने विचारों को व्यक्त करने में व्यतीत होता है। परन्तु श्री माताजी स्पष्ट रूप से बताती हैं कि अत्यधिक बोलना आध्यात्मिक प्रगति में बाधा बन सकता है। उन्होंने सहज योगियों को सलाह दी कि वे तभी बोलें जब वास्तव में आवश्यकता हो, और जब बोलें तो उनके शब्द कम, स्पष्ट तथा निर्णायक हों।

जीभ : सबसे अधिक भटकाने वाला अंग

श्री माताजी ने एक अत्यंत गहन सत्य बताया कि सभी इंद्रियों और अंगों में जीभ सबसे अधिक भटकाव में माहिर है। जीभ केवल बोलने का साधन नहीं है, बल्कि यह स्वाद, अभिव्यक्ति, आलोचना, प्रशंसा और अनेक प्रकार की प्रतिक्रियाओं का माध्यम भी है। अक्सर मनुष्य अपनी वाणी के कारण विवादों में पड़ता है, संबंधों को क्षति पहुँचाता है और अपनी आंतरिक शांति को खो देता है। बिना सोचे-समझे बोले गए शब्द वर्षों तक पीड़ा का कारण बन सकते हैं। इसके विपरीत, नियंत्रित और जागरूक वाणी प्रेम, शांति और सामंजस्य का निर्माण करती है। श्री माताजी का कथन है कि यदि कोई व्यक्ति अपनी जीभ पर महारत प्राप्त कर लेता है, तो वह अन्य सभी इंद्रियों और प्रवृत्तियों पर भी नियंत्रण स्थापित कर सकता है। इसका कारण यह है कि वाणी मन और अहंकार का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब होती है। जब वाणी शुद्ध होती है, तब विचार भी शुद्ध होने लगते हैं। श्री माताजी का यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना 1976 में था। साक्षी भाव और जीभ पर नियंत्रण, दोनों ही आत्म-साक्षात्कार के बाद के विकास के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। एक सहज योगी के लिए वास्तविक प्रगति केवल ध्यान में बैठने से नहीं, बल्कि अपनी वाणी, विचारों और प्रतिक्रियाओं को आत्मा के प्रकाश में परिवर्तित करने से होती है। जब शब्द कम होते हैं, तब आत्मा अधिक बोलती है। और जब साक्षी भाव स्थापित हो जाता है, तब जीवन सहज रूप से दिव्यता की ओर अग्रसर होने लगता है। सहज योग के बारे में अधिक जानकारी हेतु टोल-फ्री नंबर 1800-270-0800 पर या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in पर संपर्क कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतः निःशुल्क है।

स्मृति-शेष: एक युग, एक आदर्श - पूज्य पापाजी स्व. आलमचन्द्र जैन जी

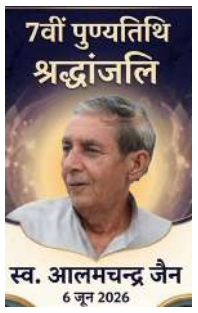

(6 जून 2026 - 7वीं पुण्यतिथि)

"व्यक्तित्व वे नहीं होते जो इतिहास में लिखे जाते हैं, व्यक्तित्व वे होते हैं जो अपनों के दिलों में सदैव धड़कते रहते हैं।"

आज 6 जून 2026, एक ऐसा दिन है जो हमारे परिवार के लिए स्तब्ध करने वाला तो है, परंतु साथ ही उस महान आत्मा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है, जिसने हमारे जीवन को प्रेम, अनुशासन और धर्म के प्रकाश से आलोकित किया। आज हमारे पूज्य पापाजी स्व. आलमचन्द्र जैन जी की 7वीं पुण्यतिथि है। सात वर्ष बीत गए, लेकिन उनकी स्मृतियों की सुगंध आज भी हमारे घर के हर कोने और हमारे मन के हर विचार में बसी हुई है। पापा जी का व्यक्तित्व किसी एक परिभाषा में नहीं समाता। वे एक ऐसे व्यक्ति थे जिनमें सरलता और गंभीरता का अद्भुत संतुलन था। उनका मिलनसार स्वभाव ऐसा था कि वे हर आयु वर्ग के लोगों के साथ एक अनोखा रिश्ता कायम कर लेते थे। घर के छोटे बच्चों के साथ वे स्वयं भी एक बच्चा बन जाते थे—उनकी हंसी में शामिल होना, उनके खेल में हिस्सा लेना, यह दर्शाता था कि उनका मन कितना निर्मल और सहज था।

वहीं दूसरी ओर, बड़ों और बुजुर्गों के साथ उनका व्यवहार अगाध सम्मान और सेवाभाव से भरा रहता था। वे उनके अनुभवों को अपना मार्गदर्शक मानते थे और उनके साथ घंटों बैठकर जीवन के सार को समझना पसंद करते थे। वे समाज के उन चुनिंदा लोगों में से थे जो दूसरों की उन्नति देखकर ईर्ष्या नहीं, बल्कि खुशी महसूस करते थे। किसी के भी अच्छे काम की तारीफ करना उनका स्वभाव था। वे बिना किसी स्वार्थ के लोगों का हौसला बढ़ाते थे, क्योंकि उन्हें लोगों को आगे बढ़ते हुए देखने में असली आनंद मिलता था। उनके जीवन का एक अत्यंत पावन और प्रेरणादायक अध्याय उनकी 'सम्मेद शिखरजी' के प्रति निष्ठा थी। वे केवल तीर्थयात्री नहीं थे, वे भक्त थे। हर वर्ष सम्मेद शिखरजी की यात्रा करना उनके लिए कोई साधारण काम नहीं, बल्कि उनके जीवन का सबसे अनिवार्य और प्रिय संकल्प था। शिखर जी की पावन पहाड़ियों के प्रति उनका समर्पण, उस कठिन पदयात्रा में भी उनका उत्साह और वहां पहुँचकर मिलने वाली आध्यात्मिक शांति उनके व्यक्तित्व के उस हिस्से को दर्शाती है, जहाँ सांसारिक मोह-माया के ऊपर केवल परमात्मा का ध्यान था। आज भी, जब हम उन तीर्थों की चर्चा करते हैं, तो उनकी छवि हमारी आँखों के सामने साकार हो उठती है।

हमारे परिवार के लिए वे केवल एक मुखिया नहीं थे, वे हमारी नींव थे। उन्होंने हमें सिखाया कि कठिन समय में कैसे मुस्कुराना है और अपनों के साथ कैसे खड़ा रहना है। उनकी अनुपस्थिति का यह सातवाँ वर्ष हमें यह याद दिलाता है कि उन्होंने हमें विरासत में संपत्ति से ज्यादा 'संस्कार' दिए हैं। आज जो भी हम हैं, वे उन्हीं के द्वारा सिंचित आदर्शों के कारण हैं। आज इस पुण्यतिथि पर, हम अश्रुपूरित नेत्रों से उन्हें नमन करते हैं। भले ही वे शारीरिक रूप से हमारे पास नहीं हैं, लेकिन उनकी सीख, उनका आशीर्वाद और उनके द्वारा तय किए गए धर्म के रास्ते पर हम निरंतर चल रहे हैं। हम ईश्वर से यही प्रार्थना करते हैं कि उनकी पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में मोक्ष और अनंत शांति प्रदान करें। उनके पदचिह्नों पर चलते हुए, हम स्वयं को धन्य मानते हैं कि हम उनकी संतान हैं।

विनम्र श्रद्धांजलि
स्मृति में समर्पितः
अतुल जैन, अनुज जैन
(एवं संपूर्ण चौधरी परिवार)

रणजीत टाइम्स एवं राजनीति 24 के संभाग ब्यूरो राजेश धाकड़ का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, 101 पौधों का किया गया रोपण

इंदौर। रणजीत टाइम्स एवं राजनीति 24 के संभाग ब्यूरो राजेश धाकड़ का जन्मदिवस अभिनव कला समाज, गांधी हॉल, इंदौर में पत्रकारों, अधिवक्ताओं एवं समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर जन्मदिवस को सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए राजेश धाकड़ द्वारा 101 पौधों का रोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकार साथियों एवं अतिथियों ने राजेश धाकड़ को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। सभी ने उनके सामाजिक एवं पत्रकारिता क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर मुख्य रूप से रणजीत टाइम्स के संपादक गोपाल गावंडे, राजनीति 24 के सह-संपादक अनिल चौधरी, राजनीति 24 के सह-संपादक दीपक वाडेकर, राहुल विरकर, देव कनारे सहित विभिन्न पत्रकार संगठनों के वरिष्ठ पत्रकार एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में

अधिवक्ता समूह की विशेष उपस्थिति भी रही। अधिवक्ता समुदाय की ओर से आदरणीय देवेंद्र पेंड़से जी, अधिवक्ता आनंद दुबे जी, अधिवक्ता जितेंद्र कुमार गुप्ता जी, अधिवक्ता हितेश शर्मा जी, अधिवक्ता अनुराग भावसार जी, मनोज पोरवाल जी एवं उपेंद्र नारायण त्रिपाठी जी ने राजेश धाकड़ को जन्मदिवस की शुभकामनाएं प्रदान कीं तथा उनके द्वारा किए गए 101 पौधारोपण की सराहना की।

वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और यदि जन्मदिवस जैसे विशेष अवसरों पर पौधारोपण की परंपरा विकसित हो जाए तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। राजेश धाकड़ द्वारा किया गया यह प्रयास युवाओं एवं समाज के लिए प्रेरणादायक है।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया तथा राजेश धाकड़ को पुनः जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं।

शासन के आदेशों को ठेंगा: खकनार के मांजरोदकला में नहीं हुई ग्राम सभा

सचिव और नोडल अधिकारी गायब; ग्रामीणों ने किया घंटों इंतज़ार

महेन्द्र मालवीय रणजीत टाईम्स

बुरहानपुर - मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम के तहत तय प्रावधानों के अनुसार, आज 5 जून 2026 को "विश्व पर्यावरण दिवस" के विशेष अवसर पर प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाना अनिवार्य था। सरकार का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास के प्रमुख बिंदुओं पर जनता के बीच चर्चा करना था। लेकिन बुरहानपुर जिले के खकनार ब्लॉक के ग्राम मांजरोदकला में शासन के इन आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गईं। यहाँ न तो पंचायत के जिम्मेदार सचिव पहुंचे और न ही शासन द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी। घंटों इंतजार करने के बाद ग्रामीणों को मायूस होकर खाली हाथ लौटना पड़ा।

पंचायत में पसरा सन्नाटा, सुनने वाला कोई नहीं

मांजरोदकला के ग्रामीण आज सुबह से ही अपनी समस्याओं और गांव के विकास पर चर्चा करने के लिए पंचायत भवन पहुंचे थे। लेकिन वहां जिम्मेदार कुर्सियां खाली पड़ी थीं। उपसरपंच प्रतिनिधि ने इस पर तीखा आक्रोश जताते हुए कहा: "ग्राम पंचायत में कौन से कार्य हो रहे हैं, कितना बजट आ रहा है, इसकी कोई भी जानकारी जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को नहीं दी जा रही है। सचिव और अधिकारी अपनी मनमानी पर उतारू हैं और शासन के आदेशों को मानने को तैयार नहीं हैं।"

सालभर से नहीं मिली डेम निर्माण की मजदूरी, दाने-दाने को मोहताज ग्रामीण

ग्राम सभा के निरस्त होने से उन गरीब ग्रामीणों को सबसे बड़ा झटका लगा है, जो पिछले एक साल से अपनी मेहनत की कमाई के लिए भटक रहे हैं। मौके पर मौजूद कुछ ग्रामीणों ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि उन्होंने गांव में हुए डेम (बांध) निर्माण कार्य में कड़ी मजदूरी की थी। आज पूरा एक साल बीत जाने के बाद भी उन्हें उनकी मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने रुआंसे और आक्रोशित स्वर में कहा, "हम सालभर से परेशान हैं, हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हम आज इसी आस में ग्राम सभा में आए थे कि साहब लोग आएंगे तो हमारी मजदूरी कब मिलेगी, यह सवाल पूछेंगे। लेकिन यहाँ तो सुनने वाला कोई जिम्मेदार ही मौजूद नहीं है।"

खकनार ब्लॉक में अव्यवस्थाओं का बोलबाला

यह बदहाली सिर्फ मांजरोदकला तक सीमित नहीं है। सूत्रों और स्थानीय लोगों के अनुसार, खकनार ब्लॉक की कई अन्य ग्राम पंचायतों में भी इसी तरह की भारी अव्यवस्थाएं पैर पसारे हुए हैं। जिम्मेदार अधिकारियों की फील्ड से नदारद रहने की आदत के चलते ग्रामीण लगातार परेशान हो रहे हैं और शासन की कल्याणकारी योजनाएं कागजों तक सिमट कर रह गई हैं।

बड़ा सवाल:

विश्व पर्यावरण दिवस जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और प्रादेशिक आयोजन पर शासकीय कर्तव्य से नदारद रहने वाले इन सचिवों और नोडल अधिकारियों पर जिला प्रशासन क्या ठोस कार्रवाई करेगा? और सबसे बड़ा सवाल यह कि इन गरीब मजदूरों को उनकी सालभर पुरानी रुकी हुई मजदूरी कब नसीब होगी?

जंगल में हुवा नवजात शिशु का जन्म आरोग्य केंद्र पर लटका मिला ताला, ग्रामीणों में बड़ा भारी आक्रोश

महेन्द्र मालवीय रणजीत टाईम्स

बुरहानपुरः- नेपानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मांडवा में शुक्रवार सुबह दिल-दहला देने वाला मामला सामने आया है। प्रसव पीड़ा के चलते मांडवा निवासी 35 वर्षीय मीराबाई पति भूलसिंग महिला ने जंगल में एक नवजात बच्चे को जन्म दिया। लंबे समय तक महिला जंगल में बेहोश अवस्था में पड़ी रही।

तथा महिला के साथ में 3-4 वर्ष की बेटी भी मौजूद थी। इसके बाद वहां से गुजर रहे मांडवा निवासी एकलव्य भारतीय ओर उनकी मां किरण बाई किशोर ने महिला को देखा। वे पहले उसे आरोग्यम केंद्र मांडवा (बोमलियापाठ) ले गए। लेकिन वहां पर ताला लटका मिला। जिसके बाद महिला को सीवल स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया गया। जिसके पश्चात यहां पर चिकित्सकों ने महिला का प्राथमिक उपचार शुरू किया। तथा यहां पर महिला का प्राथमिक उपचार किए जाने के बाद उन्हें बुरहानपुर रेफर किया गया है। एकलव्य भारतीय ने बताया है कि मांडवा का आरोग्यम केंद्र को बने हुवे लगभग 5 वर्ष पूर्ण हो चुके है किंतु इतना समय होने के बाद भी यहां पर किसी भी प्रकार की सुविधा मूलभूत रूप से उपलब्ध नहीं है तथा वह लंबे समय से फिर भी बंद है तथा यहां पर कोई भी डॉक्टर मौजूद नहीं रहता है भले ही सरकार ने यहां पर करोड़ों रुपए खर्च करके उपस्वास्थ्य केंद्र बना दिया है लेकिन यहां पर इलाज नाम की कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं है।

शासन ने यहां पर भले ही डॉक्टरों को पदस्थ कर रखा है लेकिन वे नाम मात्र के ही है इलाज संबंधित कोई भी उपकरण उपलब्ध नहीं होने के कारण वे आए दिन रोज अपनी ड्यूटी करके वापस घर की ओर लौट जाते है। मांडवा निवासी एकलव्य भारतीय का कहना है कि शासन प्रशासन इस मामले को तत्काल संज्ञान में लेकर जल्द से जल्द यहां पर सुचारू रूप से सुविधाएं प्रदान करने की कृपा करे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर निगम बुरहानपुर में मेयर इन काउंसिल की बैठक आयोजित

महेन्द्र मालवीय रणजीत टाईम्स

बुरहानपुर - विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर निगम बुरहानपुर में मेयर इन काउंसिल की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि नगर के सभी हितधारकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थाओं एवं नागरिकों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के संबंध में व्यापक रूप से जागरूक किया जाएगा।

बैठक में विशेष रूप से घरों एवं प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे के स्रोत स्तर पर चार भागों में अनिवार्य पृथक्करण को सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। इसके लिए वार्ड स्तर पर जनजागरूकता अभियान संचालित किए जाने तथा नागरिकों को सूखा, गीला, घरेलू खतरनाक एवं स्वच्छता अपशिष्ट को अलग-अलग रखने के लिए प्रेरित करने का निर्णय लिया गया। मेयर इन काउंसिल द्वारा प्रत्येक वार्ड में जनप्रतिनिधियों एवं नगर निगम अमले के सहयोग से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने, घर-घर संपर्क अभियान चलाने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के विभिन्न घटकों पर भी चर्चा की गई। इसके अंतर्गत शहर में दृश्यमान स्वच्छता, स्रोत पर कचरा पृथक्करण, कचरे का वैज्ञानिक संग्रहण एवं परिवहन, अपशिष्ट प्रसंस्करण परियोजनाओं की प्रगति, लिगेसी वेस्ट रिमेडिएशन, स्वच्छता अवसंरचना के विकास तथा नागरिक सहभागिता को बढ़ाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में महापौर श्रीमती माधुरी अतुल पटेल निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव एम आई सी सदस्य संध्या राजेश शिवहरे,धनराज महाजन संभाजी सगरे, भारत इंगले महेंद्र इंगले,अनिल विस्पुते, एजाज असरफी,सहायक आयुक्त सुश्री स्वर्णिका वर्मा,लेखा अधिकारी विक्रम पोरवाल,सहायक यंत्री अशोक पाटिल,गोपाल महाजन कार्यालय अधीक्षक संदीप तिवारी निगम सचिव संजय शाह,रविन्द्र चौहान,जन संपर्क अधिकारी हरिश मोरे,गणेश पाटिल निगम अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे

एकतरफा प्यार में दरिंदगी, नाबालिग पर कुल्हाड़ी से हमला कर छत से लटकाया; हालत नाजुक

अतुल जैन

पंचायत के फैसलों को ठेंगा' और 'कुल्हाड़ी से वार'

पिछोर। शिवपुरी जिले के खोड़ चौकी क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। शुक्रवार को एक 22 वर्षीय युवक ने एकतरफा प्यार में 17 वर्षीय नाबालिग के घर में घुसकर उस पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी ने न केवल किशोरी को घायल किया, बल्कि उसके गले में फंदा डालकर छत से लटकाने का भी प्रयास किया। गंभीर हालत में नाबालिग को ग्वालियर रेफर किया गया है।

(15 दिन पहले पंचायत में हुआ था समझौता)

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी धर्मेंद्र परिहार (22) लंबे समय से पीड़िता का पीछा कर रहा था और एकतरफा प्रेम करता था। करीब 15 दिन पहले भी धर्मेंद्र ने नाबालिग को रास्ते में रोका था, जिसे लेकर दोनों परिवारों के बीच विवाद बढ़ गया था। मामले को सुलझाने के लिए गांव में पंचायत बुलाई गई थी, जिसमें दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ था। आरोपी ने लिखित/मौखिक रूप से वादा किया था कि वह

भविष्य में ऐसी हरकत नहीं दोहराएगा, लेकिन पंचायत के फैसले को ठेंगा दिखाते हुए उसने इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया।

(घर में अकेली पाकर किया हमला)

शुक्रवार सुबह जब नाबालिग के माता-पिता किसी काम से बाहर गए हुए थे, तो वह घर में अकेली थी। मौके का फायदा उठाकर धर्मेंद्र परिहार घर के अंदर घुस गया। आरोपी ने पहले पीड़िता पर कुल्हाड़ी से हमला किया। जान बचाने के लिए नाबालिग भागकर छत पर चढ़ गई, लेकिन आरोपी ने वहां भी उसका पीछा नहीं छोड़ा।

(फंदा बनाकर छत से लटकाया)

आरोपी की बर्बरता यहीं नहीं रुकी; उसने किशोरी के गले में रस्सी का फंदा बनाया और उसे छत से लटकाने का प्रयास किया। कुछ देर बाद आरोपी ने उसे फंदे सहित नीचे पटक दिया और मौके से फरार हो गया। पीड़िता के परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत उसे शिवपुरी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत बेहद नाजुक होने के कारण डॉक्टरों ने उसे ग्वालियर रेफर कर दिया है।

(परिजनों में आक्रोश, प्रत्यक्षदर्शी ने बयां की खौफनाक दास्तान)

घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में भारी तनाव और परिजनों में आक्रोश फैल गया है। पीड़िता के परिवार की एक महिला सदस्य (ताऊ की बहू), जो इस घटना की प्रत्यक्षदर्शी है, ने बताया कि उसने अपनी आंखों से आरोपी को बर्बरता करते देखा है। आरोपी ने योजनाबद्ध तरीके से घर में घुसकर नाबालिग को प्रताड़ित किया। फिलहाल, पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच में जुट गई है और आरोपी की तलाश की जा रही है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

(इनका कहना है)

पीड़ित परिवार की सभी मांगें सुन ली गई हैं। आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है। अमोला थाना प्रभारी अंशुल गुप्ता ने बताया कि मुख्य आरोपी को पकड़ लिया गया है। घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

(शुभम गर्ग, नायब तहसीलदार)

विश्व पर्यावरण दिवस पर सफाई मित्रों का किया सम्मान

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सफाई मित्र कर्मचारियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सफाई मित्रों को टी-शर्ट, कैप एवं साड़ी वितरित कर उनके कार्यों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। पार्षद एवं प्रदेश उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस प्रमोद खरे ने कहा कि सफाई मित्र समाज के ऐसे कर्मयोगी हैं, जो प्रतिदिन कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हुए शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके अथक परिश्रम और समर्पण के कारण ही नागरिकों को स्वच्छ वातावरण प्राप्त हो पाता है। ऐसे कर्मठ कर्मचारियों का सम्मान करना समाज और जनप्रतिनिधियों का नैतिक दायित्व है। इस अवसर पर लोगों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं हरियाली बढ़ाने का संदेश भी दिया गया। उपस्थित जनों से अपील की गई कि वे विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और वृक्षारोपण का संकल्प लें तथा एक स्वच्छ, स्वस्थ एवं विकसित ग्वालियर के निर्माण में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। प्रमोद खरे ने सफाई मित्रों के योगदान को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

करधनी झपटमारी बनी महिला की मौत का कारण, खनियाधाना पुलिस ने पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार

अतुल जैन

खनियाधाना। शिवपुरी जिले के खनियाधाना थाना क्षेत्र में एक महिला की मौत से जुड़े झपटमारी के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। झपटमारी के दौरान मोटरसाइकिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुई महिला की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए खनियाधाना पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिलें भी जब्त की हैं। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा जिले में अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने एवं गंभीर अपराधों का शीघ्र खुलासा करने के निर्देश दिए गए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना खनियाधाना पुलिस ने इस मामले की गहन जांच कर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की।

(यह था पूरा मामला)

पुलिस के अनुसार फरियादी महेश कुमार लोधी पुत्र नंदराम लोधी उम्र 48 वर्ष निवासी राजपुर थाना पिछोर ने थाना खनियाधाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी पत्नी मीना लोधी उम्र 43 वर्ष 1 मई 2026 को अपनी रिश्तेदारी ग्राम हिरावल थाना चंदेरी से अपने परिचित रामनिवास लोधी के साथ मोटरसाइकिल से वापस अपने गांव राजपुर लौट रही थीं। रात्रि लगभग 7:45 बजे जब उनकी मोटरसाइकिल ग्राम अछौनी से कंजवाह नाले के आगे तथा नहर की पुलिया के पहले पिछोर-चंदेरी मार्ग पर पहुंची, तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात युवक पीछे से आए और मीना लोधी की कमर में पहनी हुई चांदी की करधनी (कमर पेटी) झपट ली। अचानक हुए इस हमले से मीना

लोधी का संतुलन बिगड़ गया और वह चलती मोटरसाइकिल से सड़क पर गिर पड़ीं। गिरने से उन्हें गंभीर चोटें आईं। परिजनों द्वारा उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

(हत्या, लूट और गिरोहबंद अपराध की धाराओं में मामला दर्ज)

घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना खनियाधाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 153/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105, 304(2), 3(5) के तहत मामला कायम किया। विवेचना के दौरान धारा 61(2) बीएनएस का भी इजाफा किया गया। मामले में पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, तकनीकी साक्ष्य जुटाए, मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया तथा संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखी। लगातार की गई जांच के बाद पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे, जिनके आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया गया।

(पांच आरोपी गिरफ्तार)

पुलिस ने मामले में निम्नलिखित आरोपियों को गिरफ्तार किया है अरविंद यादव पुत्र इंदर सिंह यादव, उम्र 19 वर्ष, निवासी बस स्टैंड के पास, मायापुर।, शनि योगी पुत्र मनोज योगी, उम्र 24 वर्ष, निवासी हाई सेकेंडरी स्कूल के पास, मायापुर।, राहुल उर्फ छोटू झां पुत्र रामदीन झां, उम्र 23 वर्ष, निवासी नई बस्ती, मायापुर।,राजेश पाल पुत्र मुलायम सिंह पाल, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम हरीपुर, मायापुर।,दिनेश पाल पुत्र कैलाश पाल, उम्र 21 वर्ष, निवासी ग्राम मलहावनी, थाना पिछोर, जिला शिवपुरी। पुलिस द्वारा आरोपियों को न्यायालय से प्रोडक्शन रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वारदात को अंजाम देने के लिए उन्होंने दो मोटरसाइकिलों का उपयोग किया था। आरोपियों के मेमोरेण्डम के आधार पर पुलिस ने आवश्यक जब्ती कार्रवाई करते हुए वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिलें बरामद कर लीं।

(न्यायालय में पेश कर भेजा गया जेल)

पूछताछ एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को माननीय न्यायालय खनियाधाना में पेश किया। न्यायालय से जेल वारंट प्राप्त होने के बाद आरोपियों को सर्किल जेल शिवपुरी भेज दिया गया।

(पुलिस टीम की रही अहम भूमिका)

इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक केदार सिंह यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सराहनीय कार्य किया। कार्रवाई में सउनि राम सिंह भिलाला, सउनि जगदीश बंजारा, सउनि हजारीलाल जाटव, सउनि कमल किशोर सैथिया, प्रधान आरक्षक नरेंद्र सिंह पाल, प्रधान आरक्षक नीतू सिंह, प्रधान आरक्षक हीरा सिंह, आरक्षक अनूप कुमार, हेमसिंह गुर्जर, जयवीर गुर्जर, देवेश जाटव, योगेंद्र सिंह, रवि वाथम, उमेश लोधी, अरविंद्र सिंह कौरव, महिला आरक्षक हनीराजा चौहान, आरक्षक संदीप, चालक राहुल लोधी तथा थाना मायापुर के उपनिरीक्षक अजय पटेल सहित अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

“एक पेड़ मां के नाम” अभियान में उमड़ा जनसैलाब, विश्व पर्यावरण दिवस पर बपावली में हुआ वृक्षारोपण

करेरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन परिक्षेत्र करेरा अंतर्गत बीट बपावली के नवीन वृक्षारोपण स्थल पी-1067 में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, वन विभाग के अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर आयोजित “एक पेड़ मां के नाम” अभियान के तहत ग्रामीणों ने पृथ्वी को मां के समान मानते हुए पौधे रोपे और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, हरियाली बढ़ाने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में वन परिक्षेत्र अधिकारी लक्ष्मण सिंह मीणा के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया। इस दौरान डिप्टी रेंजर बृजेश राय, वनरक्षक राजाराम करेटिया, अशोक बाथम, राहुल गुप्ता एवं कल्याण धाकड़ उपस्थित रहे। वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधियों में बपावली सरपंच धर्मेंद्र चौहान, पाली सरपंच रविराय, शिक्षक सतेंद्र राय एवं देवीलाल जाटव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए। वन अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली जनभागीदारी की प्रक्रिया है। अधिक से अधिक वृक्षारोपण और उनकी देखभाल से ही जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पौधों की सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। पौधारोपण स्थल पर पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा और ग्रामीणों ने इसे जनआंदोलन का स्वरूप देने की बात कही।

“एक पेड़ मां के नाम” अभियान में संजू जाटव ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण बचाने का लिया संकल्प

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कांग्रेस नेत्री एवं जिला पंचायत सदस्य संजू जाटव ने अपनी पुत्री इशिका जाटव के साथ “एक पेड़ मां के नाम” अभियान के तहत अपने निवास पर वृक्षारोपण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। संजू जाटव ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के कारण पर्यावरण पर लगातार खतरा बढ़ रहा है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण कर प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेड़ न केवल हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, वर्षा चक्र को प्रभावित करने और जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पेड़ों के साथ पर्यावरण की रक्षा में योगदान करके हम एक हरित, स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। “एक पेड़ मां के नाम” अभियान मातृत्व के सम्मान के साथ-साथ प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का भी संदेश देता है। इस अभियान के माध्यम से लोग अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाकर उसे संरक्षित करने का संकल्प ले रहे हैं। इस अवसर पर इशिका जाटव ने भी पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और पर्यावरण के प्रति जागरूक बनने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम बताया।

श्मशान घाट भूमि आवंटन की मांग को लेकर बिछिया बड़ोदिया ग्रामीणों ने उठाई आवाज, एसडीएम के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

दिलीप पाटीदार

सरदारपुर। ग्राम बिछिया बड़ोदिया के ग्रामीणों ने श्मशान घाट के लिए उपयोग में लाई जा रही भूमि को विधिवत रूप से ग्राम के नाम आवंटित किए जाने की मांग को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) के नाम ज्ञापन सौंपा और शीघ्र कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम बिछिया बड़ोदिया के ग्रामीण लंबे समय से अपने स्वजनों के अंतिम संस्कार के लिए भोपावर स्थित माही तट के शमशान घाट का उपयोग करते आ रहे है। ये भूमि सर्वे क्रमांक 1596 रकबा 1.432 हेक्टेयर है। ग्रामीणो ने मांग की इस भूमि को विधिवत रूप से दोनों ग्राम पंचायत को शमशान घाट के रूप में आवंटित किया जाए। ग्रामीणो ने बताया कि जिसके संबंध में ग्राम पंचायत भोपावर को भी कोई आपत्ती नही है जिसके संबंध में दिनांक 22/06/2022 को भोपावर पंचायत द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। वर्तमान में मध्य प्रदेश शासन द्वारा समस्त पंचायत और जिला प्रशासन को निर्देशित किया गया है। कि प्रदेश के सभी शमशान घाट को मुख्य मार्ग को सीसी रोड से जोड़ा जाए। गांव में स्थित शमशान घाट की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए तथा उसका सिमांकन कराया जाए तथा शमशान कि भूमियों कि तार फिसिंग व वाल बाउंड्री कराए जाएं तथा पौधा रोपण का कार्य किया जाए। ग्रामीणो ने बताया कि शमशान घाट भूमि पर जनसहयोग से भराव समतलीकरण एवं बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य भी किया जा रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

भाजपा से अलग राह पर अन्नामलाई, नए राजनीतिक मंच के जरिए युवाओं और जनसरोकारों को जोड़ने की पहल

नई दिल्ली। तमिलनाडु की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी K. Annamalai ने भाजपा से इस्तीफा देकर अपनी राजनीतिक यात्रा को नई दिशा देने का ऐलान किया है।

उनके इस फैसले ने न केवल तमिलनाडु बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। पार्टी से अलग होने के साथ ही अन्नामलाई ने एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, सुशासन, विकास और युवा नेतृत्व जैसे मुद्दों पर समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाना बताया जा रहा है। अन्नामलाई ने अपने नए अभियान की शुरुआत 'वी द लीडर्स फाउंडेशन' के माध्यम से की है। इस मंच को उन्होंने केवल एक संगठन नहीं बल्कि जनभागीदारी आधारित आंदोलन के रूप में प्रस्तुत किया है। सोशल मीडिया मंच X पर जारी अपने संदेश में उन्होंने लोगों से इस पहल का हिस्सा बनने का आह्वान करते हुए कहा कि देश और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए अब केवल चर्चा नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों और विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे नागरिकों से इस आंदोलन से जुड़ने की अपील की।

अन्नामलाई के अनुसार यह मंच पारंपरिक राजनीति से आगे बढ़कर नेतृत्व निर्माण और सामाजिक परिवर्तन पर केंद्रित रहेगा। फाउंडेशन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि संगठन का उद्देश्य ऐसा नेतृत्व तैयार करना है जो समाज की वास्तविक जरूरतों को समझे और डेटा-आधारित निर्णय लेने की संस्कृति को बढ़ावा दे। संगठन ने "सचेत नेतृत्व, सामुदायिक सहभागिता और जवाबदेह शासन" को अपने प्रमुख सिद्धांतों में शामिल किया है।

नए आंदोलन को लेकर शुरुआती प्रतिक्रिया काफी उत्साहजनक बताई जा रही है। संगठन का दावा है कि लॉन्च के कुछ ही घंटों के भीतर 50 से अधिक जमीनी स्तर के नेताओं ने इसमें शामिल होने की सहमति जताई। इसके साथ ही छह लाख तीस हजार से अधिक कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भी इस पहल से जुड़ने के लिए पंजीकरण कराया। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी ने यह संकेत दिया है कि अन्नामलाई के नेतृत्व में शुरू हुई यह पहल दक्षिण भारत की राजनीति में एक नई धारा का रूप ले सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अन्नामलाई का यह कदम केवल पार्टी परिवर्तन का मामला नहीं है, बल्कि यह उनकी दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है। पूर्व आईपीएस अधिकारी के रूप में उनकी पहचान एक सख्त और ईमानदार प्रशासक की रही है। राजनीति में आने के बाद उन्होंने तमिलनाडु भाजपा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और राज्य में पार्टी के विस्तार के लिए कई अभियानों का नेतृत्व किया। यही कारण है कि उनके इस्तीफे को भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है। हालांकि अन्नामलाई ने अपने इस्तीफे के बाद भाजपा नेतृत्व के खिलाफ कोई तीखी टिप्पणी नहीं की है। उन्होंने अपने संदेशों में सकारात्मक राजनीति, जनहित और नेतृत्व विकास पर जोर दिया है। इससे यह संकेत मिलता है कि वे अपने नए मंच को टकराव की राजनीति के बजाय वैकल्पिक जनआंदोलन के रूप में स्थापित करना चाहते हैं।

यूपी भाजपा संगठन की नई टीम पर दिल्ली में फंसा पेंच, दिग्गजों की खींचतान में अटकी पदाधिकारियों की सूची

लखनऊ/नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश भाजपा की नई प्रदेश टीम के गठन को लेकर दिल्ली में कई दौर की बैठकों के बावजूद अंतिम सहमति नहीं बन पाई है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह दिल्ली से लौटने के बाद भी प्रदेश पदाधिकारियों और क्षेत्रीय अध्यक्षों की सूची जारी नहीं हो सकी है।

सूत्रों के अनुसार कई महत्वपूर्ण पदों पर दावेदारी, क्षेत्रीय संतुलन और जातीय समीकरणों को लेकर शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर मंथन जारी है। भाजपा 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन में बड़ा बदलाव करना चाहती है। इसी कारण नई टीम में पुराने अनुभवी नेताओं और नए चेहरों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की जा रही है। कई दिग्गज नेता अपने समर्थकों को महत्वपूर्ण पद दिलाने के लिए सक्रिय बताए जा रहे हैं, जिससे सूची को अंतिम रूप देने में देरी हो रही है।

दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, संगठन महामंत्री बीएल संतोष और राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े के साथ लगातार बैठकें हुई हैं। बताया जा रहा है कि संभावित पदाधिकारियों की सूची पर कई स्तरों पर चर्चा हुई, लेकिन कुछ नामों पर अभी भी सहमति नहीं बन सकी है। सूत्रों का कहना है कि संगठन में इस बार सामाजिक और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को विशेष महत्व दिया जा रहा है। पिछड़ा वर्ग, दलित, महिला और युवा नेतृत्व को पर्याप्त स्थान देने की रणनीति पर काम चल रहा है। भाजपा नेतृत्व महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के फार्मूले पर भी विचार कर रहा है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी संगठन की नई टीम को लेकर चर्चा हुई है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री की सहमति और केंद्रीय नेतृत्व की अंतिम मंजूरी के बाद ही नई टीम का ऐलान होगा। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भाजपा संगठन की यह सूची केवल पदों का बंटवारा नहीं बल्कि 2027 के चुनावी युद्ध की रणनीतिक टीम होगी।

INDIA गठबंधन को बड़ा झटका

DMK ने बनाई दूरी; उदयनिधि बोले कांग्रेस का 'धोखा' कभी नहीं भूलेंगे

चेन्नई/नई दिल्ली। विपक्षी INDIA गठबंधन को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। तमिलनाडु की प्रमुख पार्टी Dravida Munnetra Kazhagam ने कांग्रेस के साथ बढ़ते मतभेदों के बीच 8 जून को होने वाली INDIA ब्लॉक की बैठक से दूरी बनाने का फैसला किया है।

पार्टी ने खुलकर कांग्रेस पर "विश्वासघात" का आरोप लगाया है। DMK नेता Udhayanidhi Stalin ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी ने वर्षों तक DMK के सहयोग का लाभ उठाने के बाद उसे पीठ में छुरा घोंपा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि "कांग्रेस पर फिर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए।"

विवाद की जड़ तमिलनाडु की राजनीति में हुए हालिया घटनाक्रम हैं। विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस ने अभिनेता-व राजनेता Vijay की पार्टी TVK को समर्थन दिया, जिससे DMK नेतृत्व और कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है। DMK का आरोप है कि कांग्रेस ने लंबे गठबंधन को छोड़कर राजनीतिक लाभ के लिए नया रास्ता चुन लिया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि DMK सांसदों ने लोकसभा में कांग्रेस से अलग बैठने की मांग की, जिसे मंजूरी भी मिल गई। यह कदम दोनों दलों के रिश्तों में आई खटास का औपचारिक संकेत माना जा रहा है। हालांकि DMK ने स्पष्ट किया है कि वह राष्ट्रीय मुद्दों पर विपक्षी दलों के साथ सहयोग जारी रखेगी, लेकिन कांग्रेस की मौजूदगी वाली INDIA गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं होगी। पार्टी का कहना है कि कांग्रेस के व्यवहार से उसके कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत हुई हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस और DMK के बीच बढ़ी यह दूरी INDIA गठबंधन की एकता पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। दक्षिण भारत में विपक्ष की राजनीति का एक मजबूत स्तंभ मानी जाने वाली DMK की नाराजगी आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति के समीकरणों को भी प्रभावित कर सकती है।